दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, बुधवार 03 अगस्त 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-04, अंक- 306

महत्वपूर्ण एवं खास

जम्मू में नियंत्रण रेखा के पास संदिग्ध ड्रोन पर बीएसएफ ने की गोलीबारी

जम्मू (आरएनएस)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के सतर्क जवानों ने जम्मू के कान्हाचक सेक्टर में नियंत्रण रेखा के समीप ड्रोन होने की आशंका के साथ एक उड़ती हुई वस्तु पर गोलीबारी की।

बीएसएफ के एक अधिकारी ने मंगलवार को यहां बताया कि नियंत्रण रेखा के समीप कल देर रात कान्हाचक इलाके में एक अज्ञात उड़ती वस्तु पर चमचमाती रोशनी देखी गयी। जवानों ने ड्रोन होने की आशंका पर उस पर गोलियां चलायी। बाद में रोशनी दिखाई देना बंद हो गयी। पुलिस और अन्य एजेंसियों ने इलाके में तलाश अभियान छेड़ा है। पिलहाल कुछ भी बरामद नहीं हुआ है। हाल के दिनों में सुरक्षा एजेंसियों ने ड्रोन के जरिए हवा में गिराए गए हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए सीमा पार से की गयी कोशिशों को भी नाकाम किया है।

जम्मू : रामबन में पुलिस पोस्ट के पास धमाका, अलर्ट जारी

जम्मू (आरएनएस)। जम्मू कश्मीर में दहशतगर्दों का आतंक बढ़ता जा रहा है। घाटी से आए दिन आतंकवादी घटनाओं की खबर सामने आ रही हैष अब नई घटना रामबन जिले से सामने आई है, जहां जबरदस्त धमाका हुआ है। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बताया कि रामबन के गूल इलाके में एक पुलिस चौकी की बाहरी दीवार के पास यह विस्फोट हुआ है। धमाके के बाद पुलिस ने अलर्ट जारी कर दिया है। हाईवे से सटे सभी पोस्टों के जवानों को सतर्क रहने को कहा गया है। बता दें कि बाबा अमरनाथ की यात्रा रामबन से होकर गुजरती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ये विस्फोट रामबन जिले के गूल इलाके में हुआ है। यहां एक पुलिस चौकी की बाहरी दीवार है।

अनियंत्रित होकर सडक़ किनारे खड़े ट्रैक्टर से जा टकराई कार, एक ही परिवार के तीन सदस्यों समेत 5 की मौत

नासिक (आरएनएस)। महाराष्ट्र के धुले जिले में मुंबई-आगरा राजमार्ग पर सडक़ दुर्घटना में एक ही परिवार के तीन सदस्यों सहित पांच लोगों की मौत हो गई और दो बच्चे घायल हो गए। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। कार अपने यथास्थान पर जा रही थे। उसी दौरान नरदाना शहर के पास कार अनियंत्रित होकर, सडक़ किनारे खड़े ट्रैक्टर से जा टकरायी, जिसके बाद उसमें सवार पांच लोगों की मौत हो गई और दो बच्चे घायल हो गए। मृतकों में से तीन एक ही परिवार के सदस्य थे। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान नासिक के संदीप शिवाजी चव्हाण, मीना संदीप चव्हाण, जानवी संदीप चव्हाण और हितेश अरुण चौधरी (चालक) और धुले के ट्रैक्टर चालक पांडुरन ढोंडू माली के रूप में हुई है।

जबलपुर अस्पताल अग्निकांड में डायरेक्टर्स के खिलाफ केस दर्ज, मैनेजर गिरफ्तार

जबलपुर (आरएनएस)। मध्य प्रदेश की संस्कारधानी जबलपुर के न्यू लाइफ अस्पताल में हुए अग्निकांड मामले में अस्पताल के संचालकों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या और गैर इरादतन हत्या के प्रयास का प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। सभी फरार हैं। वहीं अस्पताल के मैनेजर को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ बहुगुणा ने बताया कि, अस्पताल मे हुए अग्निकांड के मामले में सभी संचालकों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या और गैर इरादतन हत्या के प्रयास का प्रकरण दर्ज किया गया है। चारों संचालक फरार है, वहीं अस्पताल के मैनेजर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दूसरी ओर परिवार कल्याण एवं स्वास्थ्य विभाग ने इस अग्निकांड की जांच के लिए संभागायुक्त बी चंद्रशेखर की अध्यक्षता में चार सदस्यीय समिति बनाई गई है। यह समिति एक माह में अपनी रिपोर्ट सरकार केा सौंपेगी। ज्ञात हो कि जबलपुर के दमोह नाका क्षेत्र के शिव नगर में न्यू लाइफ अस्पताल स्थित है। इस मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल में सोमवार की दोपहर को अचानक आग लग गई। इस हादसे में आठ लोगों की मौत हुई थी। मरने वालों में मरीज और अस्पताल के कर्मचारी भी थे।

लंबे समय से पार्थ और अर्पिता का कनेक्शन खंगाल रही थी ईडी, अब रडार पर 11 बैंक अकाउंट

कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी और उनकी सहयोगी अर्पिता मुखर्जी के ठिकानों से ईडी ने 50 करोड़ से ज्यादा की रकम जब्त की है। अब ईडी के रडार पर इन दोनों के 11 बैंक अकाउंट हैं। बताया जा रहा है कि इन बैंक अकाउंट्स में 8 करोड़ से ज्यादा की राशि जमा है। इसमें से 2.5 करोड़ को डेबिट फ्रीज कर दिया गया है। जिस तरह से ईडी ने अर्पिता मुखर्जी के ठिकानों पर छापेमारी की, ऐसा लगता था कि अचानक यह सब होने लगा। लेकिन ऐसा नहीं था। ईडी लंबे समय से पार्थ चटर्जी और अर्पिता मुखर्जी का कनेक्शन खंगालने में लगी थी।

कैसे चटर्जी और मुखर्जी की करीबी का चला पता - ईडी के सूत्रों का कहना है कि चटर्जी के पांच बैंक अकाउंट हैं। ये दो सरकारी बैंकों और

एक प्राइवेट बैंक में हैं। 2021 में चुनाव आयोग को दिए गए हलफनामे के मुताबिक उनके अकाउंट में 60 लाख रुपये हैं। वहीं एजेंसी के सूत्रों का कहना है कि कुछ दस्तावेजों सो ही चटर्जी और अर्पिता मुखर्जी की करीबी के बारे में पता चला। अधिकारियों को चटर्जी की कुछ इंश्योरेंस पॉलिसीज के पेपर मिले थे जिसमें मुखर्जी का नाम नॉमिनी में डाला गया था। इसके अलावा बोलपुर में उन्होंने 2012 में एक मकान खरीदा था जिसके कागजात ईडी के हाथ लगे थे।

मुखर्जी के वकील का कहना है कि जिन कागजों की बात ईडी कर रही है, उनपर उन्हें संदेह है। इनकी जांच होनी चाहिए। बता दें कि चटर्जी ने 2021 के एफिडेविट में एक 25 लाख की एलआईसी पॉलिसी की जिक्र किया था। इसके अलावा और कोई जानकारी नहीं दी गई थी। वहीं बोलपुर की संपत्ति की रजिस्ट्री 2012 में अडिशनल डिस्ट्रिक्ट सब रिजस्ट्रार के सामने हुई थी। उसपर मुखर्जी और चटर्जी दोनों ने ही साइन किए थे। मुखर्जी ने अपना अड्रेस टावर फ्लैट 1ए, डायमंड सिटी साउथ बताया था। वहीं चटर्जी ने अपना पता खानपुर रोड, नकताला बताया था। **हलफनामे में दी गलत जानकारी-** दोनों ने मिलकर 20 लाख रुपये में दो मंजिला मकान खरीदा था। इसके दस्तावेजों में दोनों को फोटोग्राफ और अंगूठे के निशान भी लगे थे। इस प्रॉपर्टी के आसपास रहने वालों का कहना है कि दोनों ही वहां आते-जाते रहते थे। एक शख्स ने यह भी बताया कि उसने कॉम्प्लेक्स में चटर्जी की गाड़ी भी देखी थी। हालांकि एफिडेविट में चटर्जी ने इस प्रॉपर्टी का जिक्र ही नहीं किया था। उन्होंने केवल खानपुर के फ्लैट और नेताजीनगर की दुकान की जानकारी दी थी।

पार्थ चटर्जी को वीआईपी ट्रीटमेंट मिलता देख भड़का महिला का गुस्सा, सैंडल फेंककर मारा

शिक्षक भर्ती घोटाले में गिरफ्तार पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी के ऊपर एक महिला ने सैंडल फेंकी। यह घटना उस वक्त हुई जब पार्थ चटर्जी को मंगलवार दोपहर में ईडी की कस्टडी में रूटीन चेकअप के लिए ईएसआई हॉस्पिटल ले जाया जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक चटर्जी कार में बैठ चुके थे और कार का शीशा चढ़ाया जा चुका था, तभी यह सैंडल कार की पिछली खिडक़ी से आकर टकराई। सैंडल फेंकने वाली महिला की पहचान शुभ्रा गौरी के रूप में हुई है। वह दक्षिणी 24 परगना जिले के अमताला की रहने वाली है, जहां यह ईएसआई अस्पताल स्थित है। महिला के मुताबिक वह अपने रिश्तेदार के लिए दवा लेने आई थी। इसी दौरान वहां पहुंचे पार्थ चटर्जी को वीआईपी ट्रीटमेंट मिलता देख उसे गुस्सा आ गया। महिला ने कहा कि एक ऐसा इंसान जिसने हजारों लोगों को धोखा देकर करोड़ों की प्रॉपर्टी और सोना खरीदा उसे एसी कार में अस्पताल में लाया जा रहा है? उसे तो गले में रस्सी बांधकर रास्ते भर घसीटते हुए लेकर आना चाहिए। महिला ने मौके पर मौजूद पत्रकारों से कहा कि मुझे इस बात की हैरानी है कि आप मुझसे पूछ रहे हैं कि मैंने उसके ऊपर सैंडल क्यों फेंका? मेरा तो मन था कि मेरी सैंडल उसके सिर पर जाकर लगती। वहीं इस घटना के बाद मचे हंगामे के बीच गौरी की दूसरी सैंडल भी वहां खो गई और वह वहां से पैदल ही घर चली गई।

मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी का एक्शन, नेशनल हेराल्ड के दफ्तर पर मारा छापा

नई दिल्ली (आरएनएस)। मनी लॉन्ड्रिंग केस की जांच कर रही ईडी ने अब कांग्रेस समर्थित अखबार नेशनल हेराल्ड के दफ्तर पर छापेमारी की है। सोनिया गांधी और राहुल गांधी से लंबी पूछताछ के बाद ईडी ने यह नया एक्शन लिया है। प्रवर्तन निदेशालय की टीमें नेशनल हेराल्ड के दफ्तर समेत 12 अलग-अलग जगहों पर आज छापेमारी कर रही हैं।

बता दें कि 21 और 26 जुलाई को ही सोनिया गांधी से ईडी ने पूछताछ की थी। उससे पहले राहुल गांधी से भी लगातार कई दिनों तक ईडी की ओर से नेशनल हेराल्ड केस में पूछताछ की गई थी। अब एजेंसी की ओर से यह नया एक्शन लिया गया है।

दिल्ली में कई ठिकानों पर छापेमारी के अलावा कोलकाता और कई अन्य शहरों में भी छापेमारी की जा रही है। सूत्रों का कहना है कि पूछताछ के बाद ईडी को लगा कि इस केस में छापेमारी किए जाने की जरूरत है।

ईडी का कहना है कि सोनिया गांधी, राहुल गांधी समेत कई नेताओं ने इस पूरे मामले में दिवंगत नेता मोतीलाल वोरा का नाम लिया था। इसके अलावा कई ट्रांजेक्शंस की बात सामने आई थी, जिनकी जानकारी जुटाने के लिए दस्तावेजों की जांच करने की जरूरत है। इसके अलावा नेशनल हेराल्ड के दफ्तरों का इस्तेमाल किसलिए होता है, उसकी जांच भी की जाएगी।

लाल किले से संसद तक सांसद बुधवार को निकालेंगे तिरंगा बाइक रैली, सरकार की सभी दलों से साथ आने की अपील

नई दिल्ली (आरएनएस)। संस्कृति मंत्रालय सांसदों के लिए बुधवार सुबह लाल किले से संसद तक तिरंगा बाइक रैली आयोजित करने जा रहा है। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सभी राजनीतिक दलों के सांसदों से इस रैली में हिस्सा लेने की अपील की है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) संसदीय दल की बैठक के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए संसदीय कार्य मंत्री जोशी ने कहा कि यह आयोजन संस्कृति मंत्रालय की ओर से किया जा रहा है ना कि भाजपा की ओर से। उन्होंने सभी दलों के सांसदों से इस कार्यक्रम में भाग लेने का आग्रह किया और उन्हें सुबह साढ़े आठ बजे लाल किला पहुंचने को कहा।

संसदीय दल की बैठक में भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने आजादी की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर नौ अगस्त से 15 अगस्त के बीच आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों के बारे में चर्चा की। उन्होंने हर घर तिरंगा अभियान पर खासा जोर दिया और भाजपा सांसदों से अपने-अपने संसदीय क्षेत्रों में लोगों को इससे जोडऩे का आग्रह किया।

नड्डा ने हर घर तिरंगा अभियान को लोकप्रिय बनाने के लिए पार्टी नेताओं से सुबह नौ बजे से 11 बजे के बीच प्रभात फेरी निकालने और पार्टी की युवा शाखा के नेताओं से बाइक के जरिये तिरंगा यात्रा निकालने को कहा। हर घर तिरंगा अभियान के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी से अपने घरों पर 13 अगस्त से 15 अगस्त के बीच तिरंगा लगाने का आग्रह किया है। जोशी ने कहा कि पार्टी के नेता 11 से 13 अगस्त तक बूथ स्तर तक प्रभात फेरी निकालेंगे और इस दौरान राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के पसंदीदा भजन रघुपति राघव राजा राम और राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम का गायन करेंगे।

नड्डा ने अपने संबोधन में सांसदों से कहा कि इन कार्यक्रमों के दौरान अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें और उन बूथों पर ज्यादा ध्यान केंद्रित करने का कहा, जहां पिछले चुनावों में भाजपा का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। पार्टी 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस भी मनाएगी। भारत के विभाजन के कारण अपनी जान गंवाने वाले और अपनी जड़ों से विस्थापित होने वाले सभी लोगों को श्रद्धांजलि के रूप में सरकार ने हर साल 14 अगस्त को उनके बलिदान को याद करने के लिए विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाने का फैसला किया था। खुद प्रधानमंत्री मोदी ने इसकी घोषणा की थी। संसदीय दल की बैठक में नड्डा ने मध्य प्रदेश के स्थानीय निकाय के चुनाव सहित हाल के अन्य चुनावों में पार्टी के अच्छे प्रदर्शन का भी उल्लेख किया।

तिहाड़ जेल में बंद यासीन मलिक ने खत्म की भूख हड़ताल

- विभिन्न मांगों को लेकर छोड़ा था खाना-पानी

नई दिल्ली (आरएनएस)। राष्ट्रीय राजधानी की तिहाड़ जेल में बंद सजायाफ्ता कश्मीरी अलगाववादी नेता यासीन मलिक ने अपनी भूख हड़ताल खत्म कर दी है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। महानिदेशक (कारागार) संदीप गोयल ने बताया, उन्होंने (यासीन मलिक) ने कल अपनी भूख हड़ताल खत्म कर दी।

जेल में बंद अलगाववादी नेता, जो इस समय तिहाड़ जेल की जेल नंबर 7 में बंद है, 22 जुलाई को भूख हड़ताल पर चला गया था। जब उसकी भूख हड़ताल के पीछे का कारण पूछा गया, तो अधिकारी ने कोई विवरण देने से परहेज किया, हालांकि, जेल सूत्रों ने कहा कि मलिक उन एजेंसियों का विरोध कर रहा था जो उसके मामलों की जांच कर रही हैं।

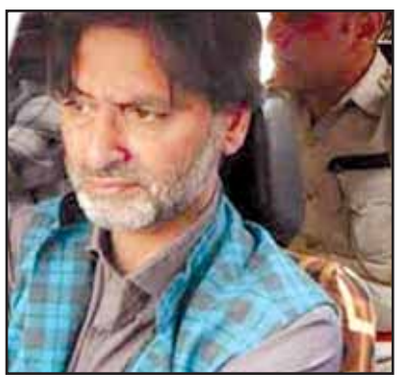

सूत्रों ने कहा, मलिक ने आरोप लगाया कि उसके मामले की ठीक से जांच नहीं हो रही है, इसलिए वह अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर चले गया, लेकिन आश्वासन के बाद कि उसका अनुरोध वरिष्ठ अधिकारियों को भेज दिया गया है, उसने अभी भूख हड़ताल को समाप्त कर दिया।

26 जुलाई को भूख हड़ताल के कारण तबीयत बिगडऩे के बाद मलिक को जेल अधिकारियों ने अस्पताल में भर्ती कराया था। दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती रहने के चार दिन बाद 29 जुलाई को उसे छुट्टी दे दी गई। विशेष रूप से, मलिक को जैश-ए-मोहम्मद द्वारा फरवरी 2019 के आतंकी हमले के तुरंत बाद गिरफ्तार किया गया था। वह दो साल से अधिक समय से दिल्ली की तिहाड़ जेल में है।

लोकसभा चुनाव से पहले 14 फरवरी, 2019 को एक बम विस्फोट में सीआरपीएफ के 40 जवानों की मौत एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में आई। कुछ ही दिनों में मलिक को उसके श्रीनगर स्थित आवास से उठा लिया गया। जमात-ए-इस्लामी के साथ उसके जेकेएलएफ पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया था।

मलिक को 2017 के टेरर फंडिंग मामले में दोषी ठहराया गया था और 25 मई को दिल्ली में राष्ट्रीय जांच एजेंसी की विशेष अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी, जिसमें उसने सभी आरोपों को स्वीकार किया था। हाल ही में, 15 जुलाई को, जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती की बहन रुबैया सईद ने तीन दशक पहले यासीन मलिक को अपने अपहर्ता के रूप में पहचाना।

रुबैया सईद का 1989 में अपहरण कर लिया गया था और उसकी रिहाई का प्रबंधन जेल में बंद चार आतंकवादी कमांडरों की अदला-बदली करके किया गया था, जब उसके पिता मुफ्ती मोहम्मद सईद वी.पी. सिंह सरकार में तत्कालीन गृह मंत्री थे। अभियोजन पक्ष के गवाह के रूप में सूचीबद्ध रुबैया सईद, जम्मू में सीबीआई अदालत के समक्ष पेश हुई और मलिक और तीन अन्य आरोपियों को उसके अपहर्ताओं के रूप में पहचाना।

प्रधानमंत्री ने अपनी प्रोफाइल पिक्चर बदली, लोगों से भी की तिरंगा लगाने की अपील

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को अपनी प्रोफाइल तस्वीर बदल दी और अपने सोशल मीडिया अकाउंट में की प्रोफाइल पर 'तिरंगा' लगा दिया है। इसके साथ लोगों से 2 से 15 अगस्त के बीच सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के अपने अकाउंट पर झंडा लगाने का आग्रह भी किया। प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट में कहा, आज 2 अगस्त विशेष है! ऐसे समय में जब हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं, हमारा देश हर घर तिरंगा, हमारे तिरंगे को मनाने के लिए एक सामूहिक आंदोलन के लिए पूरी तरह तैयार है। मैं अपनी सोशल मीडिया पर फोटो बदल रहा हूं और आपसे भी यही करने का आग्रह करता हूं।

पिंगली वेंकय्या को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि देते हुए एक अन्य ट्वीट में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मैं महान पिंगली वेंकय्या को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि देता हूं। हमारा राष्ट्र हमें तिरंगा देने के उनके प्रयासों के लिए हमेशा उनका ऋणी रहेगा, हमें बहुत गर्व है। तिरंगे से ताकत और प्रेरणा लेते हुए हम राष्ट्र की प्रगति के लिए काम करते रहें।

31 जुलाई को अपने मासिक रेडियो संबोधन 'मन की बात' में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था, आजादी का अमृत महोत्सव के तहत 13 से 15 अगस्त तक एक विशेष आंदोलन 'हर घर तिरंगा, हर घर तिरंगा' का आयोजन किया जा रहा है। इस आंदोलन का हिस्सा बनकर 13 से 15 अगस्त तक आप अपने घर पर तिरंगा फहराएं या इससे अपने घर को सजाएं।

चित्रकूट बन रहा सैलानियों की पहली पसंद... 5.29 करोड़ की लागत से तैयार किया गया है डिजिटल रामायण गैलरी एवं वाटर स्क्रीन पर लेजर शो

चित्रकूट (आरएनएस)। चित्रकूट वह पुण्यभूमि है, जहां भगवान श्रीराम ने अपने वनवास का सर्वाधिक समय (लगभग 11 साल) गुजारा था। विंध्य की पहाडिय़ों पर, घने जंगलों और पतित पावनी मंदाकिनी के किनारे बसे चित्रकूट की सुरम्यता का गोस्वामी तुलसीदास रचित महाकाव्य श्रीरामचरितमानस में वर्णन मिलता है। गोस्वामी जी लिखते हैं, 'राम संग सिय रहति सुखारी। पुर परिजन गृह सुरति बिसारी।' वनवास के दौरान भाई लक्ष्मण एवं सीता जी के साथ भगवान श्रीराम के चरण जिन-जिन स्थानों पर पड़े, वे सभी स्थान आज भी गुप्त गोदावरी, कामदगिरि पर्वत, भरतकूप, गणेशबाग, सती अनुसुइया आश्रम, राजापुर, धारकुड़ी, जानकीकुंड, रामघाट, भरत मिलाप मंदिर, चित्रकूट जलप्रपात, हनुमान धारा, स्फटिक शिला आदि के रूप में सनातन प्रेमियों के लिए पावन तीर्थ हैं।

प्राकृतिक खबसूरती की वजह से वनवास जैसे कठिन हालात में प्रभु श्रीराम के लिए अयोध्या के राजपाट के वैभव को भुला देने वाले चित्रकूट को मुख्यमंत्री योगी उसी रूप में बनाना चाहते हैं।

प्रदेश के प्रमुख सचिव पर्यटन मुकेश मेश्राम ने बताया कि चित्रकूट का विकास इसकी ऐतिहासिक विरासत को संरक्षित रखते हुए समग्र रूप में कराया जा रहा है। तीर्थ के रूप में इसे संवारा जा रहा है तो पर्यटन की प्राकृतिक व रोमांचकारी सम्भावनाओं को आकार दिया जा रहा। इस क्रम में 5.29 करोड़ रुपये की लागत से डिजिटल रामायण गैलरी एवं वाटर स्क्रीन पर लेजर शो तैयार हो चुका है।

रामायण कॉन्क्लेव के तहत आयोजित होने वाले कार्यक्रम (रामलीला मंचन, चित्रकला प्रतियोगिता एवं अन्य कार्यक्रम) भी चित्रकूट में होते हैं। यहां के रामायण मेला को योगी आदित्यनाथ की सरकार ने और भव्यता प्रदान की है। प्रदेश के पर्यटन में वृद्धि के लिए पर्यटन विभाग बुद्धिस्ट सूकट सहित जिन प्रमुख धार्मिक स्थलों के लिए टूअर ऑपरेटर्स के फेम टूअर ट्रिप आयोजित करवाता है उसमें चित्रकूट भी एक है। अगले पांच साल में जिन 5 धार्मिक स्थलों में वैश्विक स्तर की पर्यटन सुविधाएं सृजित करने का लक्ष्य रखा गया है उनमें अयोध्या, मथुरा, काशी और गोरखपुर के साथ चित्रकूट भी शामिल है। इसका असर यह है कि बीते पांच साल में ही चित्रकूट सैलानियों को खूब भाने लगा है।

29 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यह घोषणा कर चुके हैं कि शीघ्र ही रानीपुर को प्रदेश के चौथे बाघ संरक्षण केंद्र के रूप में विकसित करेंगे। रानीपुर पाठा के उस क्षेत्र में आता है जहां कभी डकैतों की बंदूकें गरजती थीं। बाघ संरक्षण केंद्र के रूप में विकसित होने पर वहां पर्यटकों की बाघों की गर्जना सुनाई देगी।

चित्रकूट में करीब 146 करोड़ रुपये की लागत से यूपी का पहला टेबल टॉप एयरपोर्ट तैयार है। यह बुंदेलखंड का पहला परिचालन हवाई अड्डा होगा। इसका प्रबंधन एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) करेगा। इस बाबत पहले ही यूपी सरकार और एएआई से समझौता हो चुका है। डीजीसीए से लाइसेंस मिलने के बाद यहां से उड़ान योजना के तहत 20 सीटर विमानों की उड़ान भी शुरू हो जाएगी। रोपवे सितंबर 2019 से ही चित्रकूट आने वाले पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।